स्कूलों के माध्यम से जागरूकता का जल संरक्षण में अहम योगदान

वी.के. त्यागी

जल को हम जागरूकता के माध्यम से बचा सकते हैं तथा जागरूकता के द्वारा हम वर्षा जल का संचयन एवं संरक्षण भी कर सकते हैं इसके लिए सबसे ज्यादा प्रभावी एवं मजबूत तंत्र स्कूलों में पढ़ने वाले छात्र होते हैं। ये छात्र अपने शिक्षकों एवं प्राचार्य की बातें हमेशा मानते हैं। यदि हम स्कूल में पढ़ने वाले इन छात्रों को जल संरक्षण एवं वर्षा जल संचयन के बारे में लगातार जागरूक करते रहें तो हम जल की बर्बादी को रोक कर जल संरक्षण कर सकते हैं।

जल संरक्षण आज की एक महती आवश्यकता है। पीने का पानी पृथ्वी पर 1% से भी कम है उसमें से भी जल कुछ मात्रा में प्रदूषित हो रहा है जिसके कारण बहुत जगह पर यह जल पीने लायक नहीं बचा है। वैज्ञानिक तरीकों के बिना जल का अंधाधुंध प्रयोग खतरनाक एवं जोखिमप्रद है जो भविष्य के लिए चेतावनी भी है। उपलब्ध जल में से 20% से ज्यादा जल व्यर्थ हो जाता है। इस जल को हम जागरूकता के माध्यम से बचा सकते हैं तथा जागरूकता के द्वारा हम वर्षा जल का संचयन एवं संरक्षण भी कर सकते हैं इसके लिए सबसे ज्यादा प्रभावी एवं मजबूत तंत्र स्कूलों में पढ़ने वाले छात्र होते हैं। ये छात्र अपने शिक्षकों एवं प्राचार्य की बातें हमेशा मानते हैं। यदि हम स्कूल में पढ़ने वाले इन छात्रों को जल संरक्षण एवं वर्षा जल संचयन के बारे में लगातार जागरूक करते रहें तो हम जल की बर्बादी को रोक कर जल संरक्षण कर सकते हैं। हम छात्रों को जल संरक्षण की शपथ दिला कर उन्हें जागरूक कर सकते हैं। हम बच्चों को जल संरक्षण की विधियां बताकर उन्हें जागरूक कर सकते हैं।

हम स्कूल की दीवारों पर जल संरक्षण की पेंटिंग बनवाकर तथा जल संरक्षण के नारे लिखवाकर भी छात्रों को जागरूक कर सकते हैं। हम स्कूल में जल संरक्षण की प्रदर्शनी लगाकर भी छात्रों व अभिभावकों को जागरूक कर सकते हैं। हम छात्रों की जागरूकता के लिए पेंटिंग प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, स्लोगन प्रतियोगिता आदि का आयोजन भी कर सकते हैं। हम आस-पास की कम्युनिटी को जागरूक करने के लिए साप्ताहिक छात्र रैली भी निकाल सकते हैं। हम स्कूलों में जल वैज्ञानिकों के भाषणों का आयोजन कर छात्रों को प्रेरित कर सकते हैं। समस्त भारत में करोड़ों छात्र स्कूलों में पढ़ते हैं, यदि हम छात्रों को जागरूक कर प्रतिदिन एक छात्र को अपनी गतिविधियों से 10 लीटर जल बचाने को प्रेरित करें तो सोचो हम कितना जल बचा सकते हैं। छात्र हमारे वॉटर हीरो होंगे, जो अन्य लोगों को भी प्रेरित कर इस मुहिम से उन्हें जोड़ेंगें। ये बच्चे हमारे ब्रांड अम्बेसडर बनेंगे। आज के बच्चे कल का भविष्य हैं यदि यह बच्चे जागरूक होंगे तो हमारा भविष्य उज्ज्वल होगा। जल संकट केवल हमारी ही नहीं बल्कि पूरे विश्व की समस्या है जिसका समाधान केवल जागरूकता ही है। जिसे हमें जल्द से जल्द प्रसारित करना है। मैं पिछले 11 वर्षों से इस जागरूकता कार्यक्रम में लगा हूं।

मैंने यह कार्य केंद्रीय विद्यालय मसूरी से शुरू किया जहां पर मैंने 20000 लीटर वर्षा जल संरक्षण हेतु एक प्रोजेक्ट भी लगवाया इससे उस स्कूल की जल समस्या का समाधान हुआ। उस स्कूल के साथ-साथ आस-पास के अन्य स्कूलों में भी मैंने जल संरक्षण की शपथ दिलाई। बाद में वर्ष 2016 में मेरा स्थानान्तरण केंद्रीय विद्यालय नं. 1 रुड़की में हो गया। वहां पर भी मैंने 50000 लीटर वर्षा जल के पुनःपूरण के लिए टैंक बनवाया तथा रुड़की स्थित स्कूलों में मैंने वर्षा जल संरक्षण की शपथ दिलाई तथा दीवार पेंटिंग, पेंटिंग प्रतियोगिताएं, वाद-विवाद प्रतियोगिताएं, निबंध लेखन प्रतियोगिताएं, स्लोगन प्रतियोगिताएं, जागरूकता वीडियो प्रतियोगिताएं, छात्र रैली, छात्र जल प्रदर्शनी प्रतियोगिताओं का लगातार आयोजन किया तथा इनके माध्यम से छात्रों को जागरूक किया। मैंने राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान के वैज्ञानिकों के प्रेरणास्पद व्याख्यानों का आयोजन भी लगातार कराया। मैंने अभी तक शिक्षकों, अभिभावकों तथा छात्रों को करीब 250000 ऑफलाइन जल संरक्षण शपथ के अलावा करीब 340000 ऑनलाइन जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई हैं। मुझे इसके लिए ब्रावो वर्ल्ड रिकॉर्ड का सर्टिफिकेट भी मिला। मेरे दो फेसबुक पेज एक ग्रुप इंटरनेशनल सेव वॉटर सेव फ्यूचर का पेज है जिसमें 830 से ज्यादा सदस्य हैं, तथा दूसरा सेव वाटर का पेज है। इसके बाद 2022 में मेरा स्थानान्तरण पठानकोट हो गया वहां भी मैंने कई स्कूलों में जल संरक्षण की शपथ दिलाई। अब मैं केंद्रीय विद्यालय बावली बागपत में हूं यहां भी मैंने छात्रों को शपथ दिलाई है। मेरा यह सफर जारी है यदि सभी स्कूल और विद्यालय इस ओर कार्य करें तो यह मिशन जन आन्दोलन बन सकता है तथा समुचित ढंग से हम जल संरक्षण कर सकते हैं। आओ सब मिलकर इस आंदोलन को आगे बढ़ायें। जल संरक्षण करें यह हमारी आवश्यकता ही नहीं बल्कि मजबूरी भी है।

संपर्क करें:
वी.के. त्यागी
प्राचार्य
केन्द्रीय विद्यालय बावली, बागपत